नेल्ली बेली का बंदर

जोन डब्ल्यू ब्लॉसो, चित्र: कैथरीन स्टॉक

"अस्सी दिनों में दुनिया की सैर" — केवल फ्रांसीसी लेखक जूल्स वर्ने ही ऐसा कुछ सोच सकते थे! और किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि उनके हीरो ने जो रिकॉर्ड बनाया था उसे असली जिंदगी में और बेहतर किया जा सकता था.

तब एक साहसी रिपोर्टर नेल्ली बेली ने कहा कि वो वैसी ही एक कोशिश करना चाहती थीं. उनके संपादक को संदेह हुआ जब नेल्ली ने अकेले यात्रा करने की ठानी, फिर आधी दुनिया दूर, सिंगापुर में, उन्होंने एक बंदर, मैकगिन्टी खरीदा जो उनका प्रिय साथी बन गया. उनकी वापसी पर, नेल्ली के लिए उत्साही भीड़ और मैकगिन्टी के लिए एक नया जीवन शुरू हुआ.

नेल्ली बेली का बंदर

जोन डब्ल्यू ब्लॉसो, चित्र: कैथरीन स्टॉक

परिचय

जब नेल्ली बेली ने दुनिया भर में एक यात्रा का सुझाव दिया, तो न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध समाचार पत्र "द वर्ल्ड" में उनके संपादक को इस बात पर बिल्कुल यकीन नहीं हुआ. उन्हें इतनी कम उम्र की महिला का इतनी दूर अकेले यात्रा करना, उचित और सुरक्षित नहीं लगा. साथ ही, उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि उन्होंने जितनी जल्दी यात्रा करने का वादा किया था वो उतनी जल्दी उसे कर पाएंगी.

वे रेलगाड़ियों और भाप के जहाजों और घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों के दिन थे. न्यू यॉर्क से शिकागो जाने के लिए, सबसे अच्छी ट्रेनों का उपयोग करके भी, पूरे दो दिन और दो रात लगते थे! फिर वो भला 75 दिनों या उससे भी कम समय में, वो दुनिया का चक्कर भला कैसे लगा सकती थीं? उन्हें निश्चित रूप से अधिक समय लगेगा.

नेल्ली ने उनके सभी तर्कों को सुना और उसमें अपने भी कुछ तर्क जोड़े. अंत में उन्होंने कोशिश करने का फैसला किया.

14 नवंबर, 1880 को, नेल्ली बेली एक छोटी झोली के साथ बंदरगाह की गोदी में दिखाई दीं. झोली में लेखन सामग्री और कुछ निजी सामान, जैसे नाइटगाउन और कुछ अंडरगारमेंट्स शामिल थे. अपनी पूरी यात्रा के दौरान उन्होंने उन्हीं को पहना - एक विशेष रूप से सिलवाई नीली पोशाक, चेक के डिज़ाइन वाला कोट और एक टोपी.

अपने दाहिने अंगूठे पर उन्होंने अपनी भाग्यशाली अंगूठी पहनी थी. उनके पास दो घड़ियाँ थीं: एक न्यूयॉर्क का समय दिखाने के लिए, और दूसरी स्थानीय समय दिखाने के लिए.

"हेडलाइंस इन द वर्ल्ड" ने नेल्ली बेली के साहसिक कार्य की नाटकीय घोषणा की. इसके बाद उनकी टेलीग्राफ वाली कहानियां पूरे देश में तुरंत प्रकाशित हुईं; खेलों और प्रतियोगिताओं की पत्रिकाओं ने भी उन्हें उजागर किया. 25 जनवरी को, अंतिम दिन से तीन दिन पहले नेल्ली घर वापिस आ गईं.

अचानक वो प्रसिद्ध हो गईं! यात्रा के बारे में उनकी पुस्तक राष्ट्रीय बेस्ट-सेलर बन गई. नेल्ली बेली की किताब: "अराउंड द वर्ल्ड इन 72 डेज" के अध्यायों में उनकी यात्रा के और देश को पार करते समय उन्हें उत्साहित करने वाली भीड़ का, जीवंत वर्णन मिलता है. उसमें सिंगापुर में खरीदे गए एक छोटे बंदर का भी उल्लेख है.

मैंने उस बंदर की कहानी को विस्तार करके सुनाने की स्वतंत्रता ली है, और मैंने ऐसा करने के लिए "उसके अपने शब्दों" को ही चुना है.

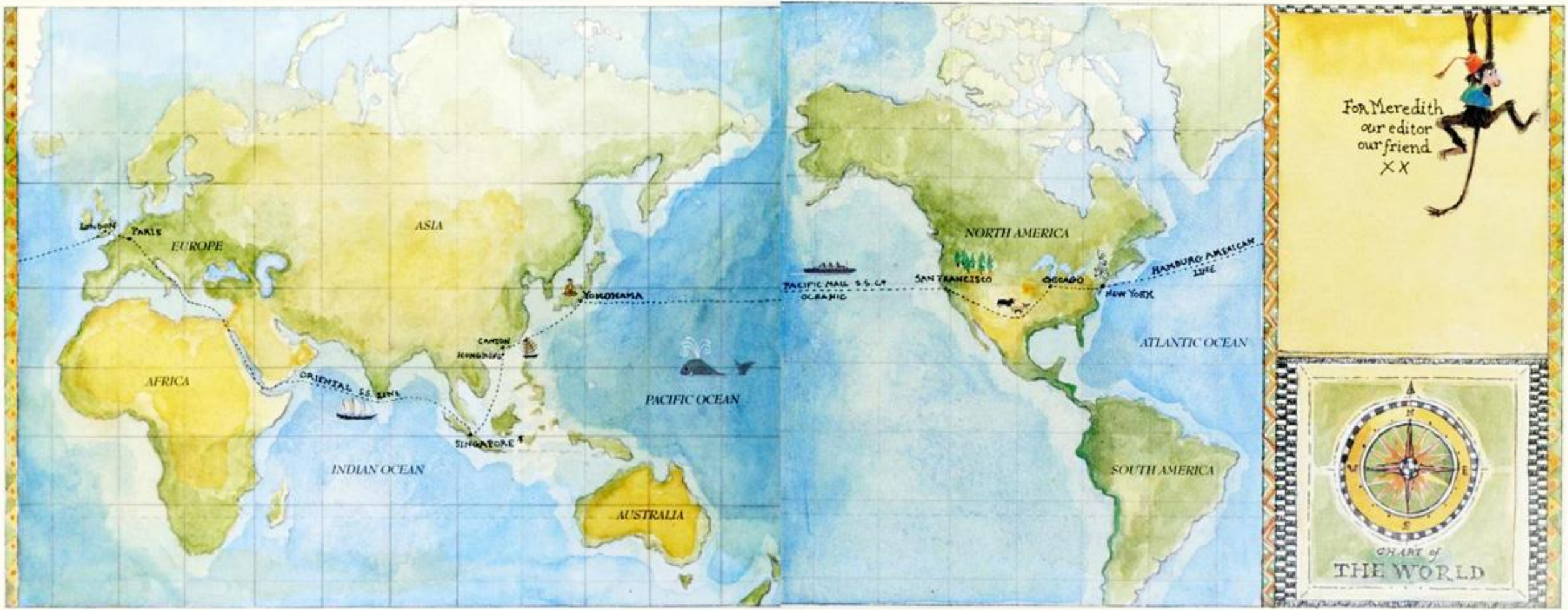
LONDON
PARIS
EUROPE
ASIA
AFRICA
ORIENTAL S.S. LINE
CANTON
HONGKONG
YOKOHAMA
SINGAPORE
INDIAN OCEAN
PACIFIC OCEAN
AUSTRALIA
PACIFIC MAIL S.S. CO
OCEANIC
SAN FRANCISCO
CHICAGO
NEW YORK
HAMBURG AMERICAN LINE
NORTH AMERICA
ATLANTIC OCEAN
SOUTH AMERICA
For Meredith
our editor
our friend
XX
CHART of
THE WORLD

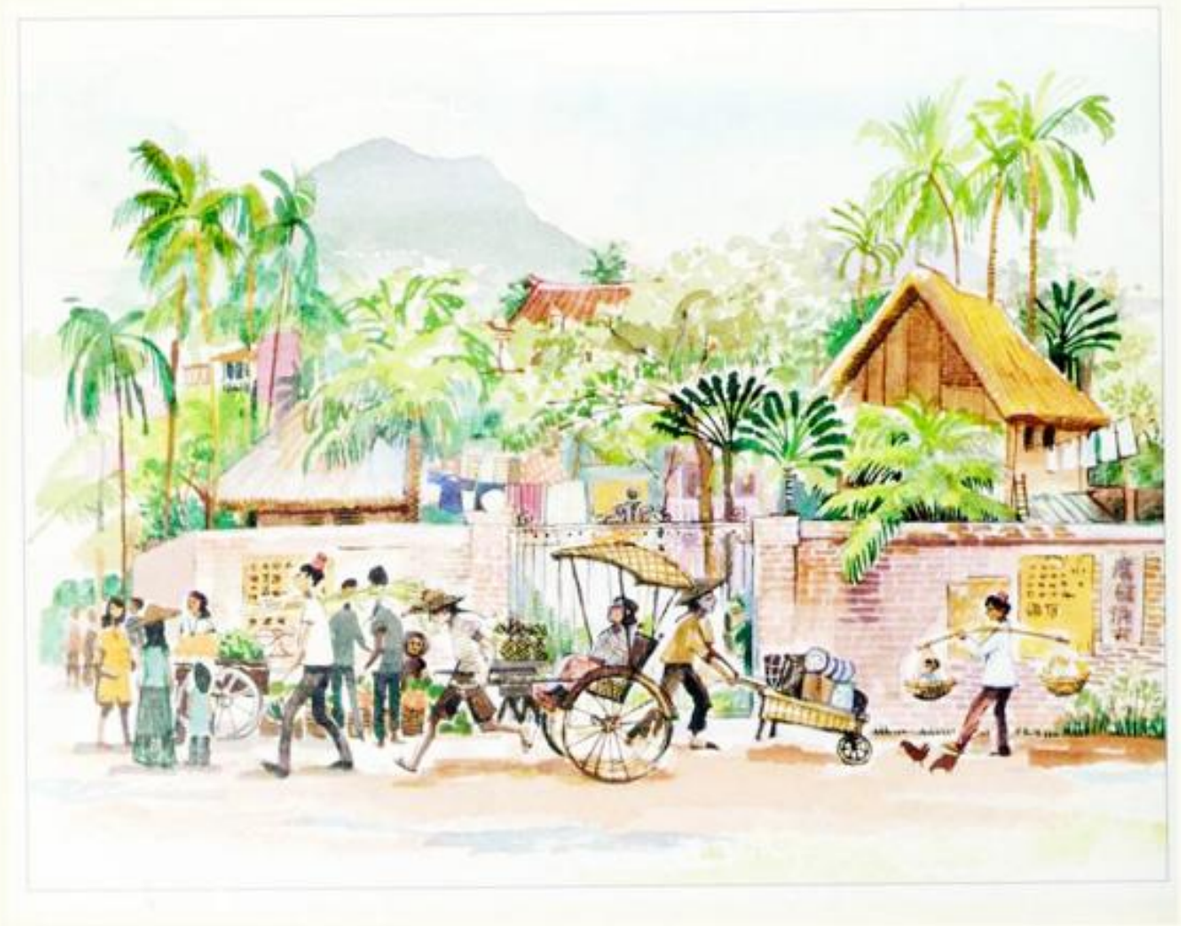

जब मैंने अपना घर छोड़ा

मुझे याद नहीं और न ही किसी ने मुझे बताया कि मैं कहाँ पैदा हुआ था. मुझे कम उम्र में ही पकड़ लिया गया था और तुरंत ही मेरा मलेशियाई मालिक मुझे सिंगापुर ले आया था. मेरा मालिक किराए की गाड़ियों का ड्राइवर था और उसे अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए लंबे समय तक काम करना पड़ता था. हालांकि मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया गया, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण बातें मुझे कभी समझ में नहीं आईं. उदाहरण के लिए, हम बंदर स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं. और मैं, एक जिज्ञासु बन्दर था. फिर भी उसने मुझे अपने घर और आँगन तक ही सीमित क्यों रखा?

सड़क पर पैर रखने से मना किए जाने के बाद मैंने अपने दिमाग को यात्रियों की दुर्लभ और असाधारण कहानियों से भर डाला.

एक दिन मुझे हमेशा याद रहेगा. मेरा मालिक अचानक लौट आया और तभी एक विदेशी महिला भी बग्घी में से उतरीं. इस बहादुर अमेरिकी महिला का नाम मिस नेल्ली बेली था. दुनिया भर की, सबसे ज्यादा तेज यात्रा करने का उनका इरादा था. "हाँ, मेरे मालिक ने मुझे समझाया. वो इस बात के बारे में अपने देश के अखबारों में भी लिखेंगी!"

मेरे मालिक ने मेरे बारे में अच्छी बात कहीं - मेरे अच्छे स्वभाव और मेरी चतुराई के बारे में, क्योंकि वो अमेरिकी महिला मुझसे परिचित होना चाहती थीं.

"वो आपकी बताई बातों से कहीं बढ़कर है," महिला ने कहा. "कृपया उससे कहें कि मेरी यात्रा मुझे अपने घर से बहुत दूर ले आई है. क्योंकि मैं अकेली हूं इसलिए एक बंदर खरीदना चाहती हूं. मेरी सारी खुशी अब उसी पर निर्भर करेगी."

सात सिक्के लेने के बाद मेरा मालिक मान गया.

सिक्कों को गिनने के बाद उसने मेरे सिर को हल्के से थपथपाया, और उसने हम दोनों के अच्छे भाग्य की कामना की. फिर उसने मुझे मेरे नए मालिक को सौंप दिया.

इससे पहले कि हम जाते मेरे मालिक की सबसे छोटी बेटी ने अपने गले से चांदी की चेन उतारी और उसने वो मुझे दे दी. मुझे लगा कि मुझे उसे याद रखना चाहिए, इसलिए मैंने वो सुंदर चेन तुरंत पहन ली.

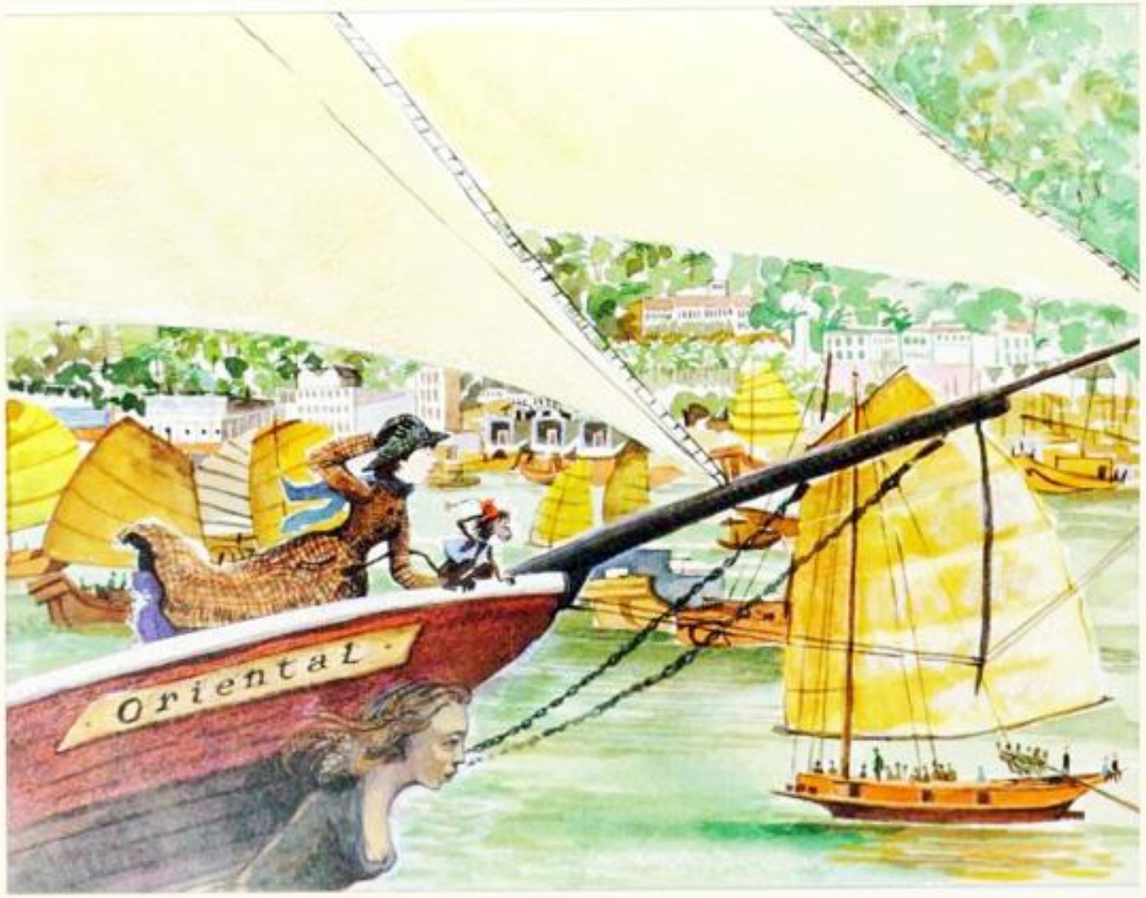

घोषित समय के साथ एक दौड़

अगली सुबह हम "ओरिएंटल" जहाज़ में सवार हुए. पांच दिन की यात्रा हमें ब्रिटिश चीन के बंदरगाह शहर हांगकांग ले गई. वहाँ हम रुके, और हमने अन्य यात्रियों के आने की प्रतीक्षा की. वहां हमने जहाज़ को अपने होटल के रूप में इस्तेमाल किया.

उम्मीद से जल्दी अपने गंतव्य पर पहुंचकर हमें खुशी हुई. मेरी मालकिन घर से आए पत्रों की उम्मीद में शिपिंग कंपनी के कार्यालय में गई. पर उन्हें एजेंट ने बताया कि एक अन्य अमेरिकी महिला, जो भी एक रिपोर्टर थीं, भी पूरी दुनिया का चक्कर लगा रही थीं!

इतना ही नहीं, एजेंट ने आगे कहा, "वो मिस एलिज़ाबेथ बिसलैंड अभी-अभी हमारे शहर से गुज़री हैं. उन्होंने चुपचाप यात्रा पूरी करने की कसम खाई है!"

"लेकिन मैं भी अकेले, समय के साथ-साथ दौड़ रही हूं," मेरी मालकिन ने गर्व से घोषणा की. "अगर कोई मुझसे तेज यात्रा करता है, तो उसकी मुझे कोई चिंता नहीं है.“

हम सीधे अपने केबिन में लौट आए. वहाँ मेरी मालकिन ने अपना नक्शा फैलाया और अपनी उंगली से हमारे पूरे रास्ते को दिखाया. जब उन्होंने उन शहरों का नाम बताया जिन तक हमें पहुँचना बाकी था—योकोहामा और सैन फ़्रांसिस्को, शिकागो और न्यूयॉर्क—तो मुझे अचानक अपने घर की बहुत याद आई.

उस रात, मुझको खुश करने के प्रयास में, मेरी मालकिन ने अपना भोजन मेरे साथ साझा किया. बाद में, उन्होंने अपने ही बिस्तर की बगल में एक तकिए पर मुझे सोने दिया.

तब मेरे दिमाग में एक नया विचार आया: अगर मिस बिसलैंड पहले न्यूयॉर्क शहर पहुंची, तो वो दौड़ जीत जाएंगी और मेरी मालकिन हार जाएंगी.

ओरिएंट में

जब हम सुबह उठे तब हम अधिक उत्साहित थे. हम अपने प्रतियोगी के बारे में भूल गए थे. हमने हांगकांग का आनंद लेने की ठानी! वो बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था.

वो शहर हम दोनों के लिए नया था और वहां के सीढ़ीदार घर न तो सिंगापुर जैसे दिखते थे और न ही मैनहट्टन की ईंट वाली इमारतों जैसे, जिनका वर्णन मेरी मालकिन ने किया था.

मसालेदार भोजन की तीखी खुशबू ने हमें आकर्षित किया. दुकानदार जोर-जोर से पुकार रहे थे. तभी मेरी मालकिन एक शादी की पार्टी को देखने के लिए रुक गयीं. वो उसे देखकर बड़ी खुश हुईं.

एक विदेशी भूमि पर आगंतुकों के रूप में, हम एक-दूसरे के करीब आए थे. यहीं पर उन्होंने मुझे "मैकगिन्टी" का नाम दिया. तब से मेरा वही नाम है.

क्रिसमस वाले दिन मालकिन और मैंने नाव से कैंटन की यात्रा की. पहले अमेरिकी झंडे को देखते ही, मैंने अपनी छोटी टोपी उतार दी, और जैसा कि मैंने एक अमेरिकी सज्जन को करते हुए देखा था मैंने टोपी को अपने दिल पर रखा.

हम अगली सुबह हांगकांग लौट आए. दो दिन बाद हमें खबर मिली कि हमारा जहाज रवाना होने के लिए तैयार था! हमने जो दोस्त बनाए थे और ब्रिटिश चीन, हांगकांग को हमने अलविदा कहा.

योकोहामा हमारा अगला मुकाम था!

मेरी मालकिन ने जापान का भरपूर आनंद लिया और उन्होंने जापानी लोगों की भरपूर प्रशंसा की. वो अपनी व्यावहारिक नीली पोशाक से बुरी तरह ऊब गई थीं, और उन्हें जापानी महिलाओं को उनके चमकीले किमोनो पहने देखकर ईर्ष्या हुई.

हालाँकि हम आगे की यात्रा के लिए उत्सुक थे, पर साइड ट्रिप्स ने हमारी समय बिताने में मदद की.

सैन फ्रांसिस्को के लिए!

हम "ओशनिक" जहाज़ में सवार हुए. वो जहाज पैसिफिक की डाक और कुछ यात्रियों को ले जा रहा था. जहाज़ के कप्तान ने गर्मजोशी से हमारा स्वागत किया.

सब ठीक चल रहा है, उसने वादा किया. "हम केवल पंद्रह दिनों में हम प्रशांत महासागर को पार कर लेंगे!"

लेकिन तीन दिनों बाद, जब जहाज़ उच्च प्रशांत महासागर में तैर रहा था तब अंधविश्वासी नाविकों ने रोना ओर चिल्लाना शुरू कर दिया: "बंदर को पानी में फेंक दो! वो बंदर हमारे लिए दुर्भाग्य लाया है!"

मैं स्थायी रूप से इस बात का कृतज्ञ हूँ कि मेरी मालकिन ने साहसपूर्वक मुझे छीन लिया और वो मुझे एक सुरक्षित स्थान पर ले गईं. उसके बाद मैं नाविकों की नजरों से ओझल ही रहा.

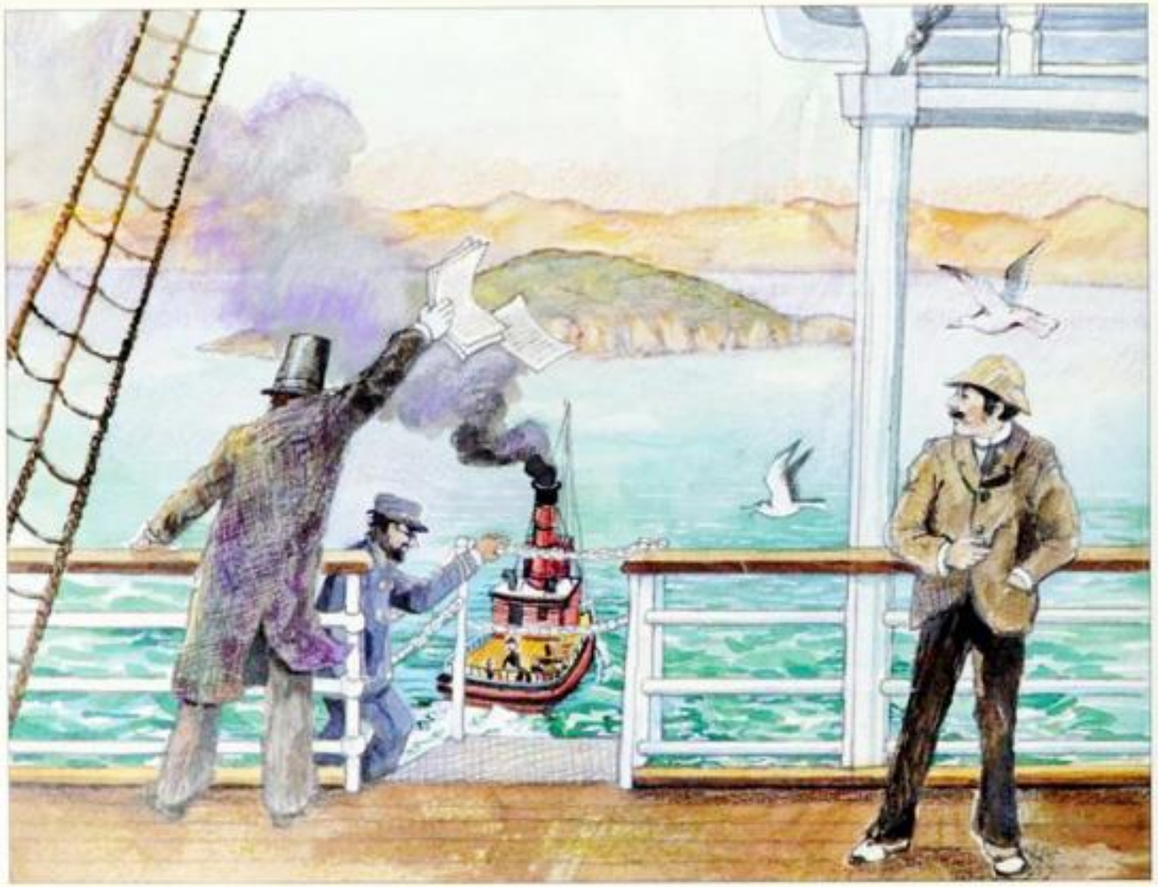

अंत में अमेरिका

सैन फ़्रांसिस्को में मुश्किलें और ग़लतफ़हमियां हमारा इंतज़ार कर रही थीं.

सबसे पहले, यह आशंका थी कि जहाज का स्वास्थ्य "बिल" पीछे छूट गया था. उसके बिना हम यात्री उतर नहीं सकते थे, और हमें दो सप्ताह देरी की धमकी दी गई थी! यह सुनकर मेरी मालकिन बड़ी निराश हुईं.

लेकिन कुछ मिनटों बाद स्वास्थ्य "बिल" मिल गया और फिर बड़ी राहत से हम लैंडिंग नाव पर चढ़े.

लेकिन हम ज़्यादा दूर नहीं गए थे कि रेलिंग पर एक डॉक्टर प्रकट हुआ और चिल्लाया. "रुको! रुको! रुको! वापिस लौटो!" वो मेरी मालकिन पर चिल्लाया. "मुझे तुम्हारी जीभ की जांच करनी होगी!"

मेरी मालकिन ने अपनी जीभ बाहर निकाली, और फिर मैंने भी तुरंत अपनी मालकिन के उदाहरण का अनुसरण किया. अंत में, जब हम किनारे पर पहुँचे, तो हमें यह खबर मिली कि बर्फ़ीले तूफ़ानों के अचानक आने के कारण रॉकी पर्वत पर रेल यातायात बंद कर दिया गया था.

पर "द वर्ल्ड" ने वहां एक निजी ट्रेन की व्यवस्था की थी. उस ट्रेन ने दक्षिण का मार्ग अपनाया जिससे वो बर्फ से बच सके.

"मैकगिन्टी," मेरी मालकिन ने कृतज्ञतापूर्वक अपनी भाग्यशाली अंगूठी को छूते हुए कहा, "आज का दिन काफी लम्बा खिंचा!"

जैसे ही हमारी ट्रेन खुली घाटियों को पार करती हुई गई, कई असली काउबॉय रुके और उन्होंने हमें अपने हाथ लहराए.

हर स्टेशन और स्टेशन स्टॉप पर हर कोई हाथ हिलाते हुए, और रूमाल फड़फड़ाते हुए "माई नेल्लीज़ ब्लू आइज़" गीत गा रहा था.

ट्रेन छोटी होने के कारण, इंजन को बहुत कम लोड खींचना पड़ रहा था. इसलिए, हमने तेजी से यात्रा की. हमने कई रिकॉर्ड तोड़े और नए रिकार्ड बनाए, खासकर कंसास में, जहां की जमीन एकदम समतल थी.

कई बार मेरी मालकिन ने मुझसे अपने घर की बातें कीं. मुस्कुराते हुए उन्होंने मुझे अपने कुत्ते और तोते के बारे में बताया जो हमारी वापसी का इंतजार कर रहे थे.

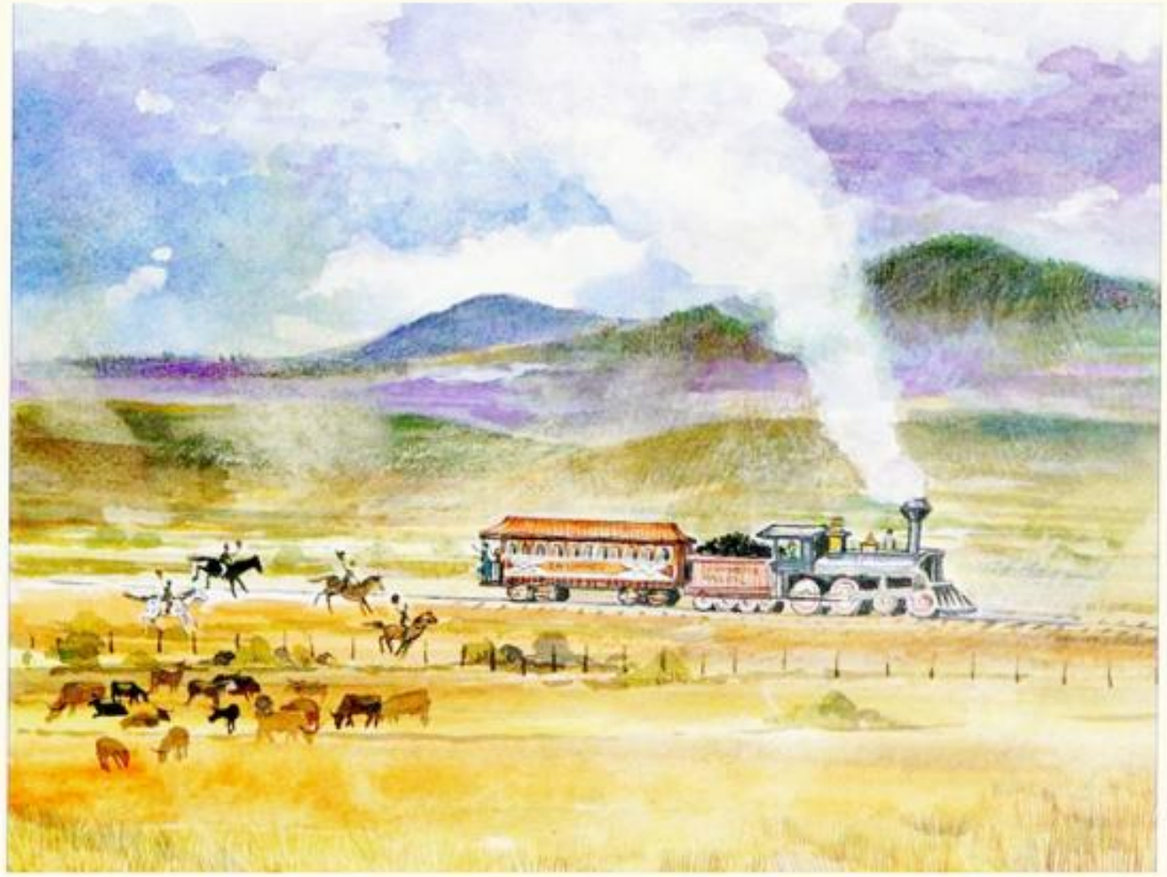

मैं हमेशा शिकागो को सबसे दयालु, जीवंत और सबसे सुंदर शहरों के रूप में याद रखूंगा. हमारे जल्दी पहुँचने के कारण हमारे मनोरंजन के लिए वहाँ जल्दबाजी में इंतजाम करने पड़े. फिर भी, प्रेस क्लब हमें बधाई देने आया और हमने किन्सले के एक उत्कृष्ट रेस्तरां में अच्छा नाश्ता किया.

शिकागो के बोर्ड ऑफ ट्रेड में, लोगों ने जब मेरी मालकिन को पहचाना, तो शेयर दलालों ने जोर-जोर से हमारी जय-जयकार की. बहुत जल्द ही हमें पेन्सिलवेनिया स्टेशन ले जाया गया, जहाँ हम एक नियमित ट्रेन में सवार हुए.

जैसा कि मेरी मालकिन को बाद में लिखा, उन्होंने शिकागो में एकदम घर जैसा महसूस किया और कामना की कि वो वहां पूरे दिन रह सकें.

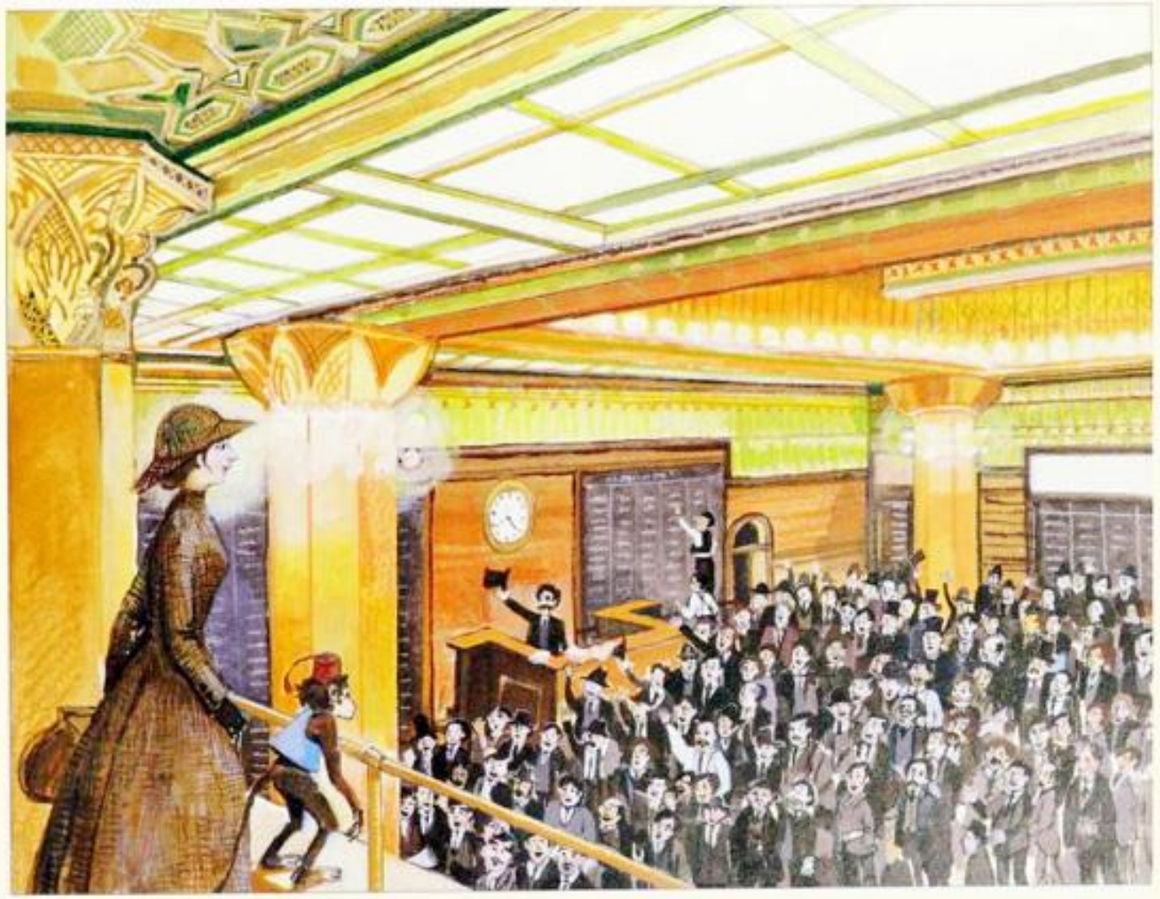

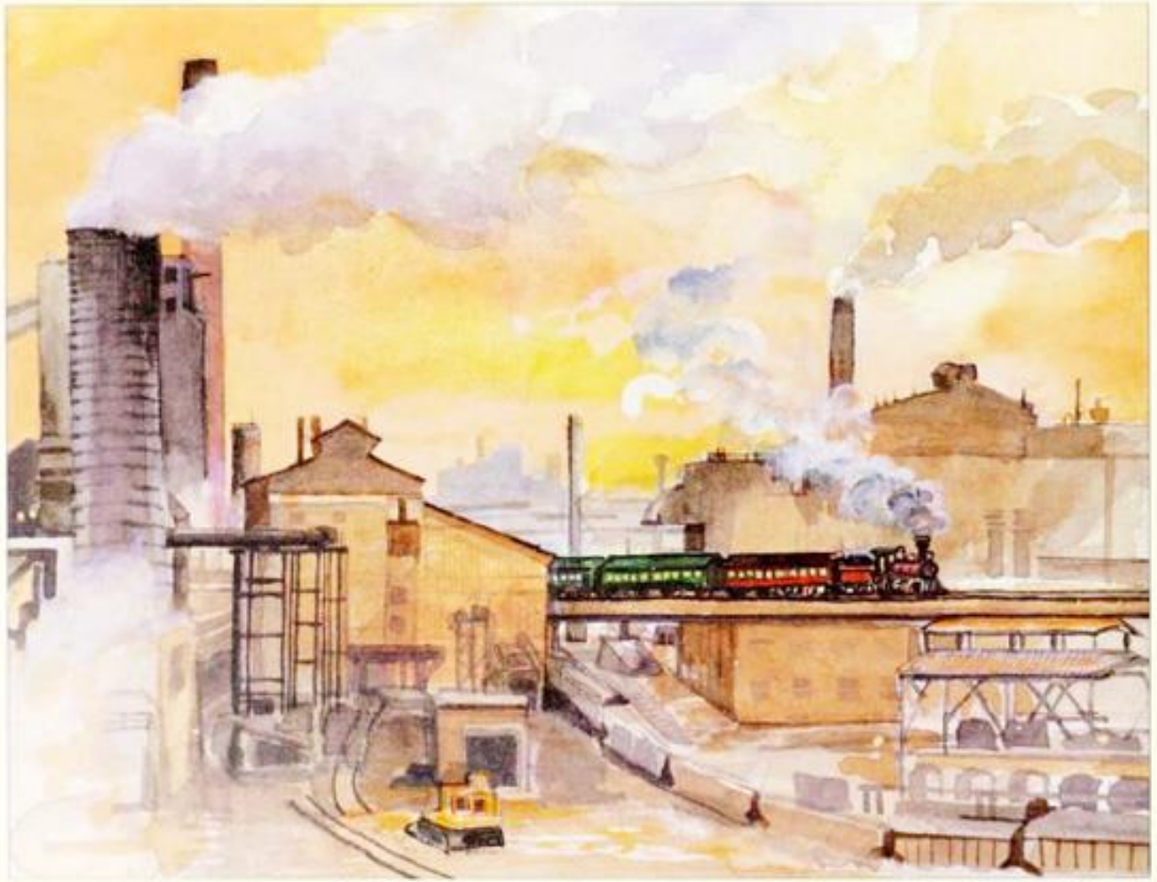

ओहायो और पेनसिल्वेनिया की स्टील मिलों ने मेरी मालकिन को कारखाने के मजदूरों और मिलों के कामगारों की याद दिलाई, जिनके बारे में वो अक्सर लिखा करती थीं.

"मैकगिन्टी," उसने डांटा जब मैंने खुद एक चॉकलेट खाई, "यह तुम्हारे लिए सोचने का समय है कि मिठाई-चॉक्लेट, फलों और फूलों के अलावा भी, अमेरिका में और बहुत कुछ है."

जल्द ही हम चौड़ी और सुंदर नदियों को पार कर रहे थे, जो अपने लंबे और सुंदर नामों के लिए समान रूप से उल्लेखनीय थीं. और इससे पहले कि आप "सुशेखहन्ना" कह पाते, हम फिलाडेल्फिया पहुंच गए थे. यात्रा के अंतिम भाग में ट्रेन में पत्रकारों का एक दल हमारे साथ आया था.

मेरी मालकिन फिर 14 नवंबर, 1889 को सुबह 9:40 बजे होबोकेन घाट से रवाना हुईं. 25 जनवरी 1890 को दोपहर 3:51 बजे हमारी ट्रेन जर्सी सिटी स्टेशन पर पहुंची और मेरी मालकिन प्लेटफार्म पर छलांग लगाकर उतरीं.

जयकारों के बीच जर्सी सिटी के मेयर ने बड़े ज़ोर-शोर से घोषणा की, "अमेरिकी लड़की को अब गलत नहीं समझा जा सकता है. उसे दृढ़निश्चयी, स्वतंत्र, खुद की देखभाल करने वाली के रूप में पहचाना जाएगा और वो उस हर जगह जा सकती है जहां वो जाना चाहती है."

अगले दिन "द वर्ल्ड" में स्वागत की खबर के बाद मेरी मालकिन को दोस्तों और परिवार के सदस्यों ने घेर लिया.

नेल्ली बेली अब घर आ गई थीं.

The World.

FIVE CENTS

FATHER TIME OUTDONE!

Even Imagination's Record Pales Before the Performance of "The World's" Globe-Circler.

Thousands Cheer Themselves Hoarse at Nellie Bly's Arrival.

SHE'S BROKEN EVERY RECORD!

मेरे नए जीवन की शुरुआत

मेरी मालकिन न्यूयॉर्क शहर में रहती थीं, जिसे एक अपार्टमेंट कहा जाता था. असल में वो एक बड़े घर का हिस्सा था. घर को 120 वेस्ट 35 वीं स्ट्रीट कहा जाता था.

वहां पर मैं टेरियर कुत्ते और तोते से मिला, जिनके बारे में मैंने बहुत कुछ सुना था. मेरी मालकिन उन दोनों से प्यार करती थीं, लेकिन वे एक-दूसरे को नहीं चाहते थे. लेकिन अपने पूरे जीवन में वे दोनों एक ही बात पर ही पूरी तरह सहमत थे - वो थी मेरे प्रति उनकी नापसंदगी. दोनों ने मिलकर मुझे अक्सर उकसाया. उसके कारण मैंने चीजें फेंकना शुरू कर दीं.

"आओ," मेरी मालकिन ने एक दोस्त को लिखा, "इससे पहले कि बंदर तोते की गर्दन को मरोड़ दे और कुत्ता, बंदर को घर से बाहर निकाल दे, क्योंकि यहाँ कोई भी दूसरे के साथ सही और मैत्रीपूर्ण व्यवहार नहीं करता है. उनके बीच दुश्मनी किसी भी क्षण फट सकती है."

मैं एक स्टार बन गया!

इसके कुछ ही समय बाद मेरी मालकिन मुझे न्यू यॉर्क के चिड़ियाघर में ले गईं जहाँ पर देशी और विदेशी दोनों तरह के जानवरों का एक शानदार संग्रह था.

वहां मुझे बच्चों ने भुनी हुई मूंगफली और चिप्स देने की कोशिश की. उन्हें देखकर मुझे सिंगापुर में अपने मालिक की छोटी बेटी की याद आई.

जब हम धूप वाले रास्तों पर चल रहे थे, तब मालकिन ने मुझे समझाया कि उन्होंने चिड़ियाघर में मेरे रहने की व्यवस्था कर दी थी. उन्होंने मुझसे अक्सर मिलने आने का वादा भी किया. हम में से कोई भी अपने यात्रा के अनुभवों और कारनामों को कभी भूल नहीं सकता था.

उन्होंने आश्वासन दिया कि वो हमेशा मेरी दोस्त रहेंगी. मैं उनकी प्रस्तावित योजना से काफी उत्साहित था. क्या यह गुण बंदर के स्वभाव के लिए अनिवार्य नहीं है? मैंने हमेशा कहा है कि वो बन्दर के लिए एक ज़रूरी गुण है.

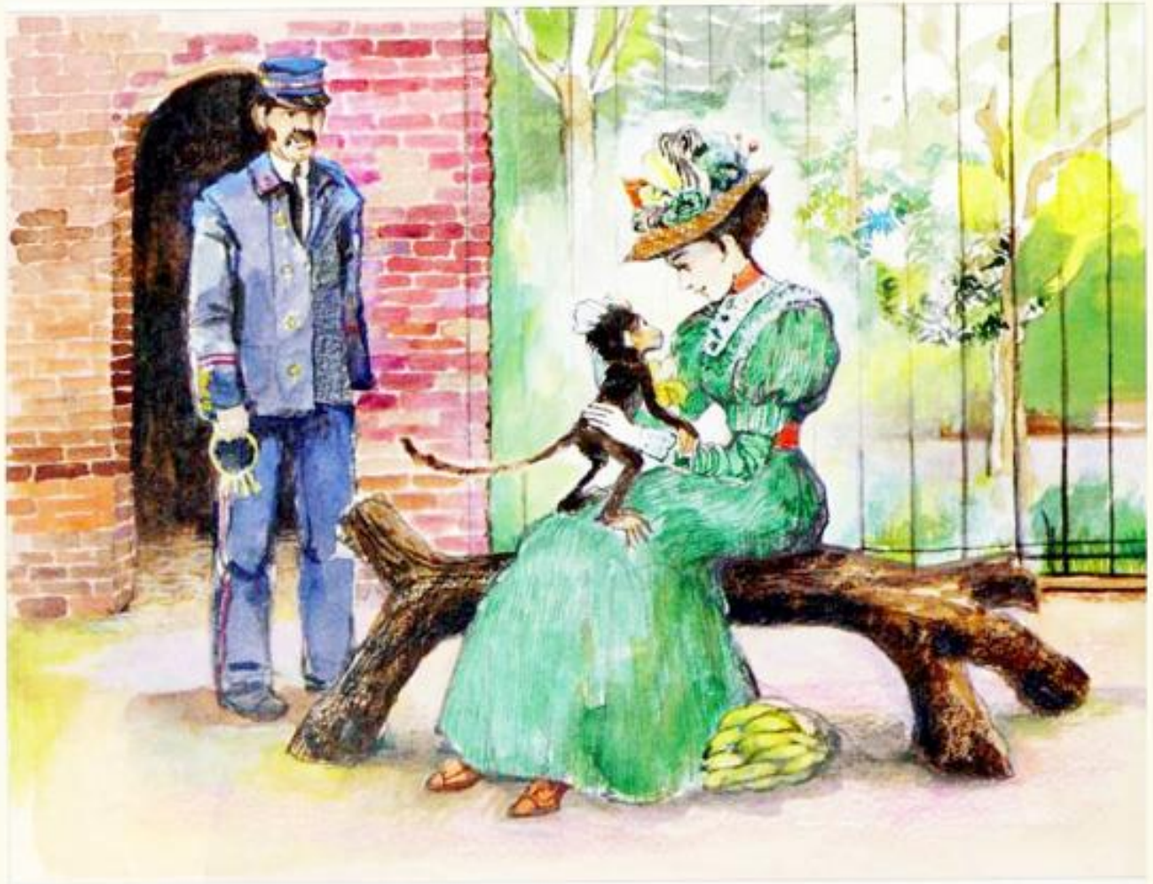

मैं शनिवार वाले दिन सबसे व्यस्त रहता हूं, लेकिन रविवार को आराम कर सकता हूं, जब चिड़ियाघर बंद रहता है. सप्ताह के शेष दिनों में, मैं अपने स्वयं के काम करता हूं और अपने साथी बंदरों की संगति का आनंद लेता हूं. बेशक, हमें हमेशा उन लोगों के लिए शो पेश करने में खुशी होती है जो हमें देखने आते हैं.

मेरी मालकिन फिर से अपने अखबार के लिए लिख रही हैं, लेकिन फिर भी, वो अक्सर मुझसे मिलने आती हैं. ऐसे मौकों पर, मुझे यह कहते हुए खुशी होती है, कि वो घर पर उस घृणित छोटे कुत्ते और उस शोर मचाने वाले पक्षी को छोड़कर आती हैं.

वो मेरे लिए वफादारी से मौसमी फल लाती हैं और पके केले भी.

मैं बाकी बंदरों के साथ उन्हें साझा करता हूँ.

वो लोग जो कुछ अधिक जानना चाहते हैं

नेल्ली बेली का असली नाम एलिज़ाबेथ जेन कोचरन था. उनका जन्म 1864 में छोटे पेंसिल्वेनिया शहर में हुआ था, जिसका नाम उनके पिता के नाम पर रखा गया था, और 1922 में न्यूयॉर्क शहर में उनकी मृत्यु हुई. एक रिपोर्टर के रूप में उनका करियर 1885 में शुरू हुआ, जब भाग्य और दृढ़ संकल्प ने उनका साथ दिया. उन्होंने "पिट्सबर्ग डिस्पैच" अखबार में नौकरी की.

स्टीफन फोस्टर के गीत से प्रेरित होकर उन्होंने अपना नाम बदलकर नेल्ली बेली रख लिया. उन्होंने इसी नाम से लेख और कहानियां लिखीं. वो एक चतुर साक्षात्कारकर्ता थी, और उन्होंने पिट्सबर्ग के उद्योगों की हालत पर लेख लिखे जिसमें उन्होंने विशेष रूप से कामकाजी लड़कियों के जीवन को उजागर किया. उससे उन्हें कई सराहनीय पाठक अर्जित हुए. हालांकि, एक महिला रिपोर्टर के रूप में उन्हें अक्सर फ्लावर-शो जैसे नीरस कार्यक्रमों को कवर करने का काम सौंपा जाता था. एक साल से भी कम नौकरी करने के बाद उनका मन ऊब गया और नेल्ली ने “डिस्पैच” की नौकरी छोड़ दी. फिर उन्होंने मैक्सिको की यात्रा की जहाँ वो छह महीने रहीं और वहां उन्होंने चार किताबें लिखीं जिसमें से पहली पुस्तक उनकी यात्रा के बारे में थी.

नेल्ली बेली 1887 में न्यूयॉर्क शहर चली गयीं. तीन महीने बाद, तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए उन्होंने जोसेफ पुलित्जर के समाचार पत्र में एक रिपोर्टर की नौकरी प्राप्त की. "द वर्ल्ड" के लिए अपना पहला प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए, उन्होंने मानसिक रूप से बीमार होने का नाटक किया, फिर उन्होंने दस दिन "एक पागलखाने में रोगी" के रूप में बिताए. इस रणनीति ने नेल्ली के लिए बहुत अच्छा काम किया. इस तरह वो एक रोजगार एजेंसी का पर्दाफाश कर पाईं जिसने अप्रवासी मज़दूरों का शोषण किया था. नेल्ली ने बड़ी गंभीरता से दिखावा किया कि वो काम की तलाश में थीं. बाद में उन्होंने रिश्वत स्वीकार करने के लिए एक अल्बानी राजनेता को बरगलाया. हालांकि व्यक्तिगत पत्र, नेल्ली के डिप्रेशन का उल्लेख करते हैं, पर इस बात को कभी भी सार्वजनिक नहीं किया गया. प्रिंट में नेल्ली बेली हमेशा एक दमदार, अराजक और चतुर रिपोर्टर थीं.

उनका दूसरा जीवन और करियर, 1895 में, रॉबर्ट सीमैन से शादी के बाद शुरू हुआ. वो नेल्ली से कई साल बड़े, एक धनी व्यापारी थे. उनके ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क, कारखाने के कामकाज में नेल्ली ने दिलचस्पी ली, और वो जल्द ही कारखाने के दिन-प्रतिदिन के संचालन के प्रबंधन में शामिल हो गईं. अपने पति की मृत्यु के बाद, 1904 में, उन्होंने इसे श्रम-प्रबंधन संबंधों को एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में चलाने का प्रयास किया. दुर्भाग्य से, वो प्रयोग सफल नहीं हुआ, और कई मायनों में उनके जीवन के अंतिम वर्ष कठिन और दुखी रहे.

एक "महिला रिपोर्टर" के रूप में अपने करियर के संबंध में, यह उल्लेखनीय है कि नेल्ली बेली ने अक्सर उन लोगों के बारे में लिखा जिनके साथ सामाजिक व्यवस्था द्वारा गलत व्यवहार और अन्याय किया गया था. 1888 में, दुनिया भर में अपनी प्रसिद्ध यात्रा से ठीक एक साल पहले, उन्होंने बेलवा लॉकवुड का राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन किया था. हालांकि नेल्ली उनके अराजकतावादी दृष्टिकोण से असहमत थीं. उन्होंने महिला नेता एम्मा गोल्डमैन का सहानुभूतिपूर्वक और लम्बा साक्षात्कार भी लिया था.